Be Mains Ready

प्रश्न. संगठनात्मक मूल्य सदैव व्यक्तगित मूल्यों से ही उत्पन्न होते हैं। स्पष्ट कीजयि।

13 Dec 2021 | सामान्य अध्ययन पेपर 4 | सैद्धांतकि प्रश्न

दृष्टकिोण / व्याख्या / उत्तर

हल करने का दृष्टकिोण:

- संगठनात्मक मूल्यों को बताइये।
- संगठनों पर व्यक्तगित मूल्यों के प्रभाव की पुष्टि उदाहरण की सहायता से कीजयि।
- कार्य-संस्कृति निर्माण में व्यक्तगित एवं संगठनात्मक मूल्यों की भूमकिा बताने के साथ नष्किर्ष दीजयि।

संगठनात्मक मूल्य नैतकि मूल्यों के समूह हैं जो कि किसी संगठन की आकांक्षाओं का मार्गदर्शन करते हैं उदाहरण के लयि कुछ संगठनात्मक मूल्य, जैसे कि व्यवसायपरकता, नवाचार, जवाबदेहति, पारदर्शति एवं सेवाओं का गुणवत्तापरक वतिरण आदि प्रमुख हैं। संगठनात्मक मूल्य, एक संगठन हेतु आवश्यक सामूहकि नर्णियन को प्रतबिबिति करते हैं। जब इन संगठनात्मक मूल्यों को बेहतर रूप में संचालति एवं प्रेषति कयिा जाता है तो वे त्वरति नर्णियन में सहायता करते हैं।

संगठनात्मक मूल्य बड़े पैमाने पर नेतृत्वकर्त्ता तथा संस्था के प्रमुखों से संगठन के अन्य सदस्यों की ओर प्रसारति होते हैं तथा उनके नैतकि मानकों का नर्धिारण करते हैं। हालाँकि, एक संगठन के नैतकि मूल्य व्यक्तगित स्तर पर अन्य सहायक समूहों से भी प्रभावति होते हैं। सभी प्रतष्ठिति संगठनों के संगठनात्मक मूल्य उसके प्रभावशाली नेतृत्त्व द्वारा स्थापति व पोषति होते हैं। उदाहरण के तौर पर वक्रिम साराभाई ने अपने समर्पण और वद्विवत्ता से इसरो जैसे संगठन की स्थापना की; उनके बाद सतीश धवन एवं ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जैसे नेतृत्त्वकर्त्ताओं ने उनके वश्विासों एवं मूल्यों को पोषति कर इसरो को अंतरक्षि प्रौद्योगकिी के क्षेत्र में ऊँचाइयों पर पहुँचाया।

कई बार एक एकल व्यक्ति भी संगठन की मूल्य-प्रणाली को नर्दिेशति करता है, जैसे कि महात्मा गांधी की मान्यताओं एवं मूल्यों ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के मूल्यों को संशोधति कयिा। इसी प्रकार पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषन की ने ईमानदारी, नष्ठिा व सत्यनष्ठिा से भारतीय चुनाव प्रणाली को पुनगर्ठति कर उसे पारदर्शी बनाया।

वस्तुत: संगठन में सांगठनकि मूल्यों की स्थापना के आरंभकि चरणों में इसे वरिोध का सामना करना पड़ सकता है। यह संगठन के संवाद तंत्र तथा प्रचार-प्रणाली पर भी नर्भिर कर सकता है। कति इस बात की पर्याप्त संभावना है कि संगठनात्मक मूल्यों के प्रभाव में व्यक्तगित मूल्यों में महत्त्वपूर्ण परविर्तन हो। उदाहरणस्वरूप एक सुस्त कर्मचारी अच्छे मार्गदर्शन से अपने प्रदर्शन में सुधार कर सकता है।

इस प्रकार कसिी भी संगठन की मूल्य-प्रणाली व्यक्तगित मूल्यों से उत्पन्न होकर उस संगठन में कुशल एवं प्रभावी कार्य संस्कृति का वकिास करती है। कसिी संगठन में कसिी व्यक्ति वशिेष की भूमकिा सौंपे गए कार्य को करने तक सीमति न होकर अपने कर्त्तव्यों का सत्यनष्ठिा से नर्विहन करने, व्यक्तगित एवं पेशेवर आचरण के माध्यम से संगठन के मूल्यों का प्रसार करने तक वस्तिृत है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/be-mains-ready-daily-answer-writing-practice-question/papers/2021/organizational-values-always-arise-from-individual-values/print